जबलपुर | मंगलवार | 6 जनवरी 2026 | वर्ष 76 | अंक 333 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु.5.00

navabharat.com twitter.com/Nava_Bharat fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत

जबलपुर 77 वां वर्ष संस्करण

प्रदेश की सड़कें दुनिया में बढ़ा रहीं देश का मान

सड़कें सुगम और त्वरित परिवहन का नया अध्याय : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सड़कों के निर्माण से उद्योगों का विकास होता है। पर्यटन में वृद्धि होती है। कृषि एक्सपोर्ट बढ़ता है और इस तरह सड़क प्रदेश के विकास की धुरी बन जाती है।

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री गडकरी ने कहा है कि स्मार्ट शहर के साथ स्मार्ट विलेज के निर्माण से आत्म निर्भर भारत का निर्माण हो सकेगा। जबलपुर मध्यप्रदेश का ग्रोथ इंजन है। यह पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में जबलपुर

▶ ऊर्जा निर्यात करने वाला देश बनेगा भारत

का नाम पूरे देश में जाना जाता है।

जबलपुर में सड़कों-पुलों के निर्माण और सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक विकास के लिये सरकार कार्य कर रही है। गडकरी जबलपुर में वेटनरी कॉलेज ग्राउंड में विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत का विजन, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 5 ट्रिलियन इकोनॉमी बनाने का ध्येय गांव और किसानों के विकास से सीधा जुड़ा है। प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग और रिंग रोड निर्माण के दौरान जमीन से खोदी गई मिट्टी और मुरूम की जगह पर पानी का स्टोरेज टैंक और तालाब बनाया जा सकता है।

इससे वाटर कंजर्वेशन तो होगा साथ ही किसानों को सिंचाई के लिए पानी भी उपलब्ध होगा। हर गांव की 75 प्रतिशत जमीन सिंचित होगी तो किसान और गांव समृद्ध होंगे और कृषकों की आमदनी बढ़ेगी। कोयले से मिथनोल बनाया जाता हैं। डीजल में 15 प्रतिशत मेथेनॉल मिलाकर बेंगलुरु में 25 बसें चलाने का प्रयोग सफल रहा है। मध्य प्रदेश में कोयले के प्रचुर भंडार उलब्ध हैं। मिथेनॉल की दर 22 रुपए लीटर और डीजल की 93 लीटर है। इस तरह मिथनॉल डीजल की अपेक्षा सस्ता ईंधन है। कोल माइन में मिथनॉल से चलने वाली मशीनें और ट्रक उपयोग करने की आवश्यकता है. इन सब चीजें से देश में फॉसिल फ्यूल्स का आयात में कमी आयेगी। डीजल और पेट्रोल के उपयोग से होने वाला प्रदूषण कम होगा। मध्यप्रदेश में ऐसा प्रयोग करने और इस दिशा में अग्रणी होने की क्षमता है। देश का किसान देश के लिए ऊर्जा तैयार करेगा और देश ऊर्जा आयात करने वाला नहीं बल्कि ऊर्जा निर्यात करने वाला देश बनेगा।

सड़कें देश के विकास की भाग्य रेखाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की सड़कें देश का मान दुनिया में बढ़ा रही है। पहले प्रदेश में सड़कों में गढ्ढे हुआ करते थे लेकिन अब देश और प्रदेश की सड़कें सुगम और त्वरित परिवहन का नया अध्याय लिख रही है। वर्ष 2013-14 तक देश में केवल एक हजार किलोमीटर के लगभग सड़कें थी। जो 10 साल में बढ़कर 1 लाख 61 हजार किलोमीटर तक निर्मित की गई है। प्रतिदिन 11.6 किलोमीटर सड़क निर्माण की गति अब बढ़कर 29.6 किलोमीटर हो गई है। इसकी गति किसी चमत्कार से कम नहीं है। पूरी दुनिया भारत के विकास की गति से हतप्रभ है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जिस तरह पुरातन काल में सम्राट विक्रमादित्य का काल सुशासन का काल माना जाता था। उसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में सुशासन की स्थापना की जा रही है। जैसे हिमालय से गंगा अविरल बहती है वैसे ही प्रदेश में विकास की धारा निर्बाध गति से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जिस तरह हाथों की रेखाओं से मनुष्य का भाग्य बनता है उसी तरह सड़कों के निर्माण से देश का भाग्य बनता है। सड़कें देश के विकास की भाग्य रेखाएं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाकौशल और जबलपुर क्षेत्र में विकास की अपार भावनाएं हैं। इस क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी।

किसान आगे बढ़कर बनें ऊर्जा दाता

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि मध्यप्रदेश का किसान, ग्रीन हाइड्रोजन, बायो एविएशन फ्यूल, बायो सीएनजी और बायो एलएनजी निर्माण की दिशा में कार्य करके अन्नदाता से आगे बढ़कर ऊर्जा दाता बन सकता है। कृषि से उपजे बायोमास को एनर्जी क्रॉप्स में परिवर्तित करें। पानीपत में इंडियन ऑयल के बिटुमिन प्लांट का उदाहरण देते हुए केंद्रीय मंत्री गडकरी ने बताया कि प्रदेश में पराली से 1 लाख लीटर एथेनॉल, 1.5 टन बिटुमिन और 75 हजार टन हवाई ईंधन तैयार किया जाता है। यह उत्पाद हवाई जहाज के ईंधन के रूप में उपयोग किए जा सकते है। इसे सस्टेनेबल एवियशन फ्यूल कहा गया है। दो साल पहले 26 जनवरी के कार्यक्रम में फाइटर जेट और हेलीकॉप्टर में बायो फ्यूल का उपयोग किया गया था।

अमृतकाल में विश्व का सबसे अच्छा देश बनेगा भारत : सीएम

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को धार जिले के बदनावर के ग्राम खेड़ा में आयोजित कार्यक्रम में 5800 करोड़ रुपए की लागत वाली 10 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं एवं संबद्ध अधोसंरचना निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया। केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि मध्यप्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। यहां तेजी से विकास हो रहा है। सबको सुखी, समृद्ध और सशक्त बनाने का विजन लेकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव बड़ी तेजी से प्रदेश को विकास के पथ पर आगे ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजमार्ग सिर्फ एक मार्ग नहीं, यह जन-जन का जीवन बदलने वाले प्रगति पथ होते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में पिछले 10 सालों में हम देश की अधोसंरचना में व्यापक बदलाव लेकर आए हैं। देश को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है, इसमें मध्यप्रदेश की भागीदारी भी होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में अमृतकाल चल रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने देश का कायाकल्प करने का जो स्वप्न देखा था, प्रधानमंत्री मोदी अटल जी के उसी स्वप्न को साकार करने की दिशा में अनथक गति से अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि इसी अमृतकाल में हमारा देश, विश्व का सबसे अच्छा देश बनकर उभरेगा। सड़कें विकास का सहज पैमाना होती है। इसलिए गांव-गांव तक रोड कनेक्टिविटी बढ़ाकर हम मध्यप्रदेश की जनता की जिन्दगी में बदलाव लाने की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम रोड कनेक्टिविटी बढ़ाकर गांव के साथ-साथ शहरों को भी स्मार्ट सिटी बनाने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि इंदौर और भोपाल जल्द ही मेट्रोपॉलिटिन सिटी बनेंगे। ग्रामीण हो या शहरी सभी को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री गडकरी द्वारा मुक्त हृदय से मध्यप्रदेश को 5800 करोड़ रुपए लागत की 10 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की सौगात देने के लिए आभार जताते हुए कहा कि गडकरी देश के राजमार्ग विकास पुरूष हैं। उनके नेतृत्व में देश में तेजी से अधोसंरचनात्मक विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि मालवा अंचल को सीधे तौर पर लाभान्वित करने वाली इन सभी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं से सरकार को सिंहस्थ-2028 के सफल आयोजन में भरपूर मदद मिलेगी।

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर, सोमनाथ और ओंकारेश्वर को जोड़ेंगे एक सूत्र में

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम विरासत से विकास की ओर बढ़ रहे हैं। अपनी विरासतों को समृद्ध कर लोगों को जोड़ रहे हैं। केन्द्र सरकार की मदद से हम श्री महाकालेश्वर ज्योर्तिलिंग को केन्द्र में रखकर इसे गुजरात स्थित सोमनाथ ज्योर्तिलिंग और ओंकारेश्वर से एक सूत्र में जोड़ेंगे। इसके लिए हमने केन्द्र सरकार से मांग की है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार केन्द्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ेगी, जिससे विकासरूपी अमृत का सर्वाधिक लाभ मध्यप्रदेश को मिले।

एक नजर में

साढ़े 4 घंटे में पहुंचेंगे ग्वालियर से दिल्ली

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए 3 लाख करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाएं स्वीकृत की हैं, जिनमें से 75 हजार करोड़ के कार्य पूरे किए हैं और 65 हजार करोड़ के कार्य प्रगति पर हैं। आगामी समय में डेढ़ लाख करोड़ रुपए लागत से करीब ढाई हजार किलोमीटर के कार्य डीपीआर के लिए रखे हैं। मध्यप्रदेश में 33 हजार करोड़ रुपए की लागत से 5 ग्रीन फील्ड इकोनॉमिक कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। इंदौर से हैदराबाद कॉरिडोर पर ओंकारेश्वर के पास नर्मदा नदी पर एक भव्य ब्रिज का निर्माण किया गया है। जल्द ही इसका उद्घाटन किया जाएगा। उज्जैन-गरोठ 4 लेन ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे, भोपाल से कानपुर 440 किलोमीटर लंबा 4 लेन इकोनॉमिक कॉरिडोर बनने पर 15 घंटे की यात्रा 8 घंटे में पूरी होगी। आगरा-ग्वालियर एक्सप्रेस-वे का भूमिपूजन भी जल्द होगा। साढ़े 4 घंटे में ग्वालियर से दिल्ली पहुंचेंगे। दिल्ली से मुंबई के बीच बनाए जा रहे एक्सप्रेस वे में मध्यप्रदेश में 245 किलोमीटर का हिस्सा बनकर पूरा हो गया है। मुंबई में भी कार्य अंतिम चरण में है।

एक ही रोड से जुड़ेंगे कान्हा, बांधवगढ़, पन्ना

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि जबलपुर से 15 हजार करोड़ रुपए लागत की सड़क परियोजनाओं की घोषणा की गई है। जबलपुर से मंडला और छत्तीसगढ़ सीमा तक 2.5 हजार करोड़ रुपए का 150 किलोमीटर का 6 लेन के चौड़ीकरण का कार्य किया जाएगा, यह कार्य 6 महीने में शुरू होगा। सिवनी-छिंदवाड़ा-सावनेर 4 लेन चौड़ीकरण का कार्य 2.5 हजार करोड़ रुपए लागत से आगामी 6 माह में शुरू किया जाएगा। मध्य प्रदेश में टाइगर कॉरिडोर बनाया जाएगा। इसके अंतर्गत जबलपुर से बांधवगढ़ तक 4600 करोड़ रुपए की लागत से 4 लेन सड़क बनाई जानी थी, जिसे बढ़ाकर अब 5500 करोड़ रुपए किया गया है। यह रोड कान्हा, बांधवगढ़, पन्ना और पेंच टाइगर रिजर्व को कनेक्ट करेगी।

उज्जैन में रेलवे स्टेशन से महाकाल मंदिर तक रोप- वे शीघ्र

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि मध्यप्रदेश में सड़क परियोजनाओं से प्रदेश को इंडस्ट्रियल और एग्रीकल्चर हब बनाने में मदद मिलेगी। मध्य प्रदेश में सड़क नेटवर्क बेहतर बनाने के लिए नए कार्य प्रारंभ किये जा रहे हैं। इस वर्ष के अंत तक अनेक कार्य पूर्ण होंगे।

▶ प्रदेश में अनेक स्थानों की दूरियां कम होंगी : सीएम

मध्य प्रदेश में सड़कों के निर्माण से निवेश आएगा, निर्यात भी बढ़ेगा। रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और निर्धनता को दूर करने में मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्री गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से 499 किलोमीटर लंबाई की 15 राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इनकी लागत 8038 करोड़ रुपए है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि सड़कों का निर्माण विकास की अनेक संभावनाओं को साकार करता है। मालवा का आटा अनेक देशों में पसंद किया जाता है। इसके निर्यात में नई सड़क संरचनाएं उपयोगी होंगी। गडकरी ने बताया कि उज्जैन में रेलवे स्टेशन से बाबा महाकाल मंदिर तक रोप-वे के संचालन का प्रकल्प महत्वपूर्ण है। आगामी महीने में 171 करोड़ रुपए के इस प्रकल्प के लिए निविदा की कार्यवाही करने की तैयारी है। उज्जैन से कोटा की दूरी सिर्फ ढाई घंटे में पूरी की जा सकेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उज्जैन से गरोठ 136 किलोमीटर की फोर लेन भी शामिल है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि दस हजार करोड़ रुपए के सड़क निर्माण कार्यों की शुरूआत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। जबलपुर में 9 और भोपाल में 15 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास हुआ है। इन 24 सड़क परियोजनाओं की लागत 10 हजार करोड़ से अधिक है। मध्यप्रदेश सड़क निर्माण के नए कार्यों के साथ ही आवागमन के हवाई साधनों और केबल कार, रोप-वे जैसे साधनों के प्रयोग में भी आगे बढ़ रहा है।

भविष्य का रोडमैप

(आगामी 3 वर्षों की कार्ययोजना)

मुख्य लक्ष्य

- 6 प्रगतिपथों का निर्माण, 1 लाख किलोमीटर सड़कों का निर्माण और 500 फ्लाईओवर का निर्माण।
- छह प्रमुख एक्सप्रेसवे/प्रगतिपथ परियोजनाएँ (लक्ष्य जून 2028)
- नर्मदा प्रगतिपथ 867 5,299
- विंध्य एक्सप्रेसवे 676 3,809
- मालवा-निमाड़ विकासपथ 450 7,972
- बुंदेलखंड विकासपथ 330 3,357
- मध्य भारत विकासपथ 746 3,819
- अटल प्रगतिपथ 299 12,227
- मध्य प्रदेश मे राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 9315 किलोमीटर है, जिसमें से 4740 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग को फोर लेन किया जा चुका हैं।
- शेष 4575 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों में से 3050 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों को फोर लेन में अपग्रेड करने की योजना तैयार है। इनमें से अनेक पर निर्माण कार्य जारी है।

राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना की हुई समीक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित भारत मण्डपम में आयोजित म.प्र. के राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में शामिल हुए। बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री सड़क परिवहन और राज्यमार्ग मंत्रालय अजय टम्टा और हर्ष मल्होत्रा, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गडकरी ने राज्य सरकार की प्रशंसा की

सिंहस्थ- 2028 के लिए प्रस्तावित सड़क परियोजनाओं को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। राजमार्गो की परियोजनाओं के ब्यूटीफिकेशन, ब्रिज निर्माण, पुलिया निर्माण, ब्लैक स्पॉट रेक्टिफिकेशान आदि विषयों पर समीक्षा की। सड़क परियोजनाओं में वृक्ष कटाई से अधिक नई तकनीकों के साथ ट्री ट्रांसप्लांट किया जाना चाहिए। सड़क परियोजनाओं में निर्माण क्वालिटी पर विशेष ध्यान दिया जाए। कॉन्ट्रैक्टर्स से चर्चा कर प्रत्येक प्रोजेक्ट की समीक्षा की। मध्य प्रदेश में 3 वर्ष से अधिक NHAI की कोई परियोजना लंबित नहीं है। खंडवा बायपास, जबलपुर रिंगरोड, इंदौर हरदा, रीवा बायपास सहित सभी जारी प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की एवं विस्तृत निर्देश दिए। लंबित परियोजनों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। सड़क कार्य पेचवर्क की गुणवत्ता भी सुनिश्चित हो। टोल टैक्स वाली सड़कों के गुणवत्ता अच्छी हो यह सुनिश्चित करें एवं सड़क की गुणवत्ता नहीं होने पर टोल संचालकों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

लोक निर्माण से होगा लोक कल्याण

आज से दो वर्ष पूर्व, 13 दिसंबर 2023 को जन-आकांक्षाओं की सरकार के गठन के बाद, 'विकसित मध्य प्रदेश' का स्पष्ट रोडमैप तैयार किया गया। लोक निर्माण विभाग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के विजन के अनुरूप राज्य के सड़क और इन्फ्रॉस्ट्रक्चर क्षेत्र में तीव्र गति से कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी द्वारा सभी योजनाओं की नियमित समीक्षा और उचित दिशा-निर्देश प्रदान किए जाते हैं, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली और क्रियान्वयन क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। हमारा रणनीतिक लक्ष्य है कि मध्य प्रदेश, जो भारत का हृदय है और उत्तर-दक्षिण, पूर्व-पश्चिम संपर्क का केंद्र है, वह केवल सड़कों का जाल नहीं बिछाएगा, बल्कि देश का सबसे आधुनिक 'लॉजिस्टिक और ट्रांसपोर्ट हब' बनकर उभरेगा।

सड़क और भवन निर्माण कार्य

सड़क निर्माण- वर्ष 2024-25 में 17,284 करोड़ की लागत से लगभग 10,000 किलोमीटर सड़कों का निर्माण पूर्ण।

भवन निर्माण- 6,627 करोड़ की लागत से 739 भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है।

- जबलपुर में दमोह नाका-रानीताल-मदन महल चौक से मेडिकल रोड तक लगभग 7 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण किया गया है, जो आज शहर में सुगम, सुरक्षित और निर्बाध आवागमन का सशक्त माध्यम बन चुका है। इसकी लागत है 1,238 करोड़।
- भोपाल मे निर्मित डॉ. भीमराव अंबेडकर फ्लाईओवर, जिसकी लागत है 153 करोड़.
- श्यामा प्रसाद मुखर्जी 6-लेन कोलार रोड का निर्माण जिससे राजधानी की यातायात व्यवस्था को नई गति मिली

ग्रीन बिल्डिंग भवन निर्माण

भविष्य में लोक निर्माण विभाग द्वारा सभी भवनों का निर्माण ग्रीन बिल्डिंग मापदंडों के अनुसार किया जाएगा। ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण, प्राकृतिक रोशनी, पर्यावरण अनुकूल सामग्री और कार्बन उत्सर्जन में कमी को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि विकास के साथ पर्यावरण संतुलन भी सुनिश्चित हो सके।

हमारा संकल्प

'गुणवत्तापूर्ण निर्माण, समयबद्धता और अत्याधुनिक तकनीक' आने वाले वर्षों में, प्रदेश का निर्माण करेगा जहाँ एक सुदूर गांव का किसान भी एक्सप्रेस-वे के माध्यम से दुनिया के बाजारों से जुड़ सकेगा.

विकास पथ ▶ **क्षेत्रीय व्यापार और कनेक्टिविटी में आएगा सुधार**

भोपाल-कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर 4-लेन में होगा अपग्रेड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा मध्यप्रदेश को विकास पथ की अमूल सौंगात देने पर उनका आभार माना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सरकार बढ़ती रोड कनेक्टिविटी के माध्यम से विकास का नया अध्याय लिख रही है। भोपाल-कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के 4-लेन में अपग्रेडेशन से इस क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति मिलेगी, यातायात सुगमता के साथ ही सड़क दुर्घटना में भी कमी आयेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को मिली इस सौगात के लिये प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री और केन्द्रीय मंत्री का आभार व्यक्त किया. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा मध्यप्रदेश में भोपाल-कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर को 4-लेन में अपग्रेड करने के लिए भोपाल से विदिशा, विदिशा से ग्यारसपुर, सताईघाट से चौका और चौका से कैमाहा पैकेजों के लिए 3589.4 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी. इस अपग्रेडेशन से क्षेत्र में यातायात सुगम होगा और यात्रा के समय में उल्लेखनीय कमी आएगी, जिससे व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

मध्यप्रदेश सरकार ने अपने संकल्प पत्र के तहत बुंदेलखंड विकास पथ की घोषणा की थी, जो राज्य की राजधानी भोपाल को बुंदेलखंड के सागर और छतरपुर जिलों से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण 4-लेन सड़क परियोजना है। इस परियोजना का उद्देश्य भोपाल से सागर होते हुए छतरपुर और उत्तर प्रदेश बॉर्डर तक की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना है, जिससे क्षेत्रीय व्यापार और यातायात सुगमता में वृद्धि होगी। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा इस मार्ग को 4-लेन में विस्तारित करने की प्रक्रिया पहले से जारी थी, लेकिन कुछ हिस्सों के लिए मंजूरी लंबित थी।

इम्पैक्ट फीचर/D-16138/25

NHAI की आगामी योजना

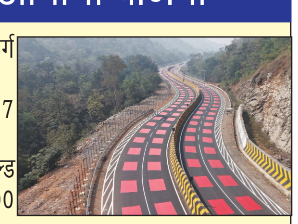

- आशापुर-जबलपुर फोरलेन मार्ग 375 किमी - 8,000 करोड़
- सिवनी-बालाघाट फोरलेन मार्ग 87 किमी - 3,260 करोड़
- सागर-जबलपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे 140 किमी - 7,000 करोड़
- भोपाल पश्चिमी बाईपास 35.6 किमी - 4,594 करोड़
- भोपाल पूर्वी बाईपास (6-लेन अपग्रेड) - 3,916 करोड़
- मेंलुआ जंक्शन-बीना-माल्थोन फोरलेन 67 किमी - 2,562 करोड़
- चोपड़ा-देवरी-देवास मार्ग 40.65 किमी - 715 करोड़

टाइगर कॉरीडोर

- जबलपुर के आसपास स्थित पांच बाघ अभयारण्य की कनेक्टिविटी को अपग्रेड करने के लिए टाइगर कॉरिडोर बनाने की घोषणा की है। विभाग NHAI के साथ टाइगर कॉरीडोर का निर्माण करने जा रहा है।
- देश का पहला राज्य-स्तरीय मल्टी-नेशनल पार्क टाइगर कॉरिडोर
- टाइगर मूवमेंट, पर्यटन और स्थानीय कनेक्टिविटी का संतुलन